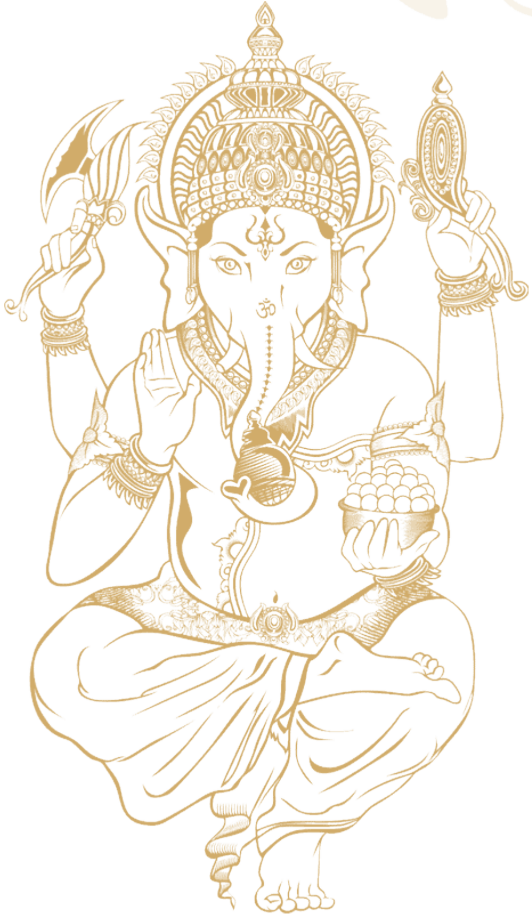

Shivam garg

28 Jun 1999

04:55 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121094102

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 27-28/06/1999**
दिन	: रवि-सोमवार
जन्म समय	**: 04:55:00 घंटे**
इष्ट	: 58:51:03 घटी
स्थान	**: Meerut**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 29:00:00 उत्तर
रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 04:35:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:02:54 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:58:19 घंटे
सूर्योदय	: 05:22:34 घंटे
सूर्यास्त	: 19:21:34 घंटे
दिनमान	: 13:59:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 12:01:06 मिथुन
लग्न के अंश	: 04:45:12 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: शुक्ल
करण	: विष्टि
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:45:12	333:10:01	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	12:01:06	00:57:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			धनु	01:45:36	11:59:36	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	03:59:21	00:16:10	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	07:32:03	01:00:30	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
गुरु			मेष	06:05:12	00:09:35	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	26:12:23	00:47:40	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			मेष	20:05:31	00:05:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:32:54	00:06:12	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:32:54	00:06:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:25:08	00:01:38	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	09:51:40	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:33:38	00:01:24	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	19:24:42	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:47

लग्न-चलित

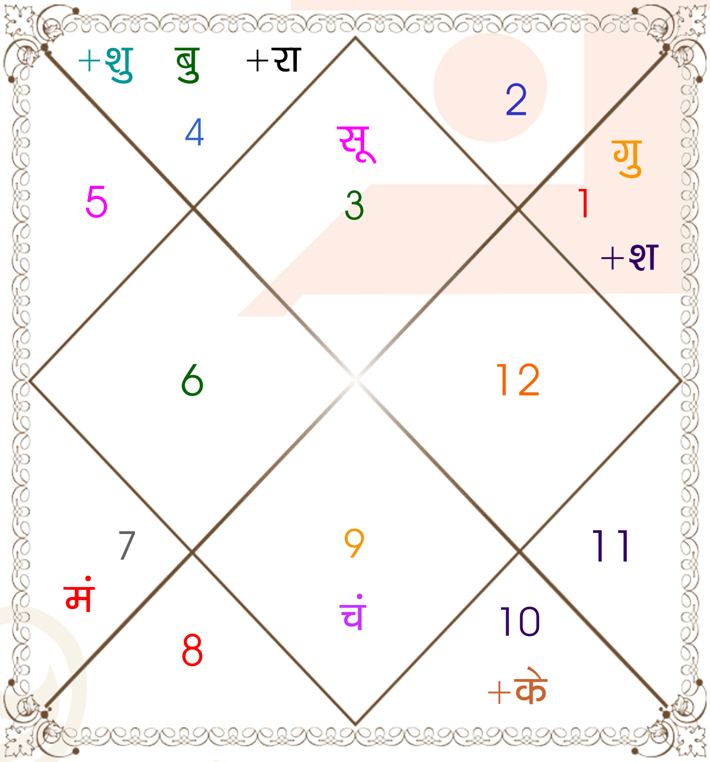

चन्द्र कुंडली

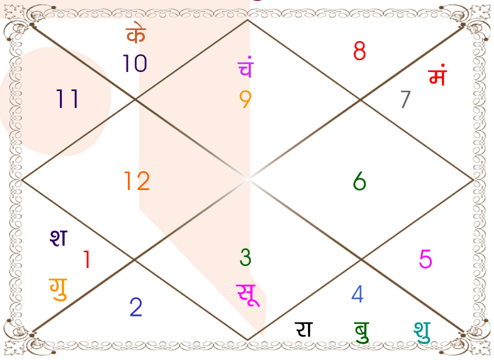

नवमांश कुंडली

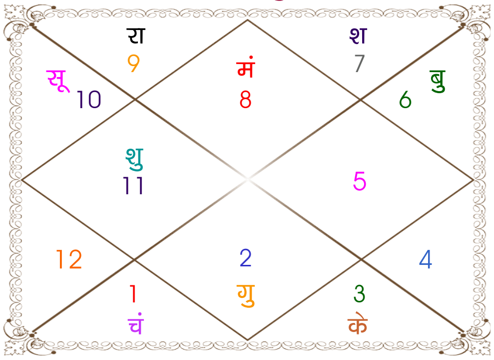

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/06/1999		**25/07/2005**		**25/07/2025**		**25/07/2031**		**25/07/2041**	
25/07/2005		**25/07/2025**		**25/07/2031**		**25/07/2041**		**25/07/2048**	
	28/06/1999	शुक्र	23/11/2008	सूर्य	12/11/2025	चंद्र	25/05/2032	मंगल	21/12/2041
शुक्र	20/02/2000	सूर्य	24/11/2009	चंद्र	13/05/2026	मंगल	24/12/2032	राहु	09/01/2043
सूर्य	27/06/2000	चंद्र	25/07/2011	मंगल	18/09/2026	राहु	25/06/2034	गुरु	15/12/2043
चंद्र	26/01/2001	मंगल	24/09/2012	राहु	13/08/2027	गुरु	25/10/2035	शनि	23/01/2045
मंगल	25/06/2001	राहु	24/09/2015	गुरु	31/05/2028	शनि	25/05/2037	बुध	21/01/2046
राहु	13/07/2002	गुरु	25/05/2018	शनि	13/05/2029	बुध	25/10/2038	केतु	19/06/2046
गुरु	19/06/2003	शनि	25/07/2021	बुध	19/03/2030	केतु	26/05/2039	शुक्र	19/08/2047
शनि	28/07/2004	बुध	25/05/2024	केतु	25/07/2030	शुक्र	23/01/2041	सूर्य	25/12/2047
बुध	25/07/2005	केतु	25/07/2025	शुक्र	25/07/2031	सूर्य	25/07/2041	चंद्र	25/07/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/07/2048		**25/07/2066**		**25/07/2082**		**26/07/2101**		**26/07/2118**	
25/07/2066		**25/07/2082**		**26/07/2101**		**26/07/2118**		**00/00/0000**	
राहु	07/04/2051	गुरु	11/09/2068	शनि	28/07/2085	बुध	23/12/2103	केतु	22/12/2118
गुरु	30/08/2053	शनि	26/03/2071	बुध	06/04/2088	केतु	19/12/2104	शुक्र	29/06/2119
शनि	06/07/2056	बुध	01/07/2073	केतु	16/05/2089	शुक्र	20/10/2107		00/00/0000
बुध	24/01/2059	केतु	06/06/2074	शुक्र	16/07/2092	सूर्य	25/08/2108		00/00/0000
केतु	11/02/2060	शुक्र	04/02/2077	सूर्य	28/06/2093	चंद्र	25/01/2110		00/00/0000
शुक्र	11/02/2063	सूर्य	24/11/2077	चंद्र	27/01/2095	मंगल	22/01/2111		00/00/0000
सूर्य	06/01/2064	चंद्र	26/03/2079	मंगल	07/03/2096	राहु	10/08/2113		00/00/0000
चंद्र	07/07/2065	मंगल	01/03/2080	राहु	12/01/2099	गुरु	16/11/2115		00/00/0000
मंगल	25/07/2066	राहु	25/07/2082	गुरु	26/07/2101	शनि	26/07/2118		00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 26 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रुख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रुख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।